Sampark PR Media Resource Service

SAMPARK

Date 4/2/11
Publication Dainik Bhaskar
Edition/ City New Delhi
Page 15

अफगानिस्तान को पूरी मदद देगा भारत

अफगान राष्ट्रप्रति ने मनमोहन के साथ साझा बयान में आतंकवाद पर जताई चिंता

भास्कर न्यूज | नई दिल्ली

प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह और अफगानिस्तान के राष्ट्रपति हामिद करजई ने गुरुवार को द्विपक्षीय और क्षेत्रीय मसलों पर चर्चा की। अफगानिस्तान में परिवर्तन की प्रक्रिया के कुछ पहलुओं पर सिंह ने करजई से चिंता जताई।

दोनों की वार्ता के बाद एक संयुक्त बयान भी जारी किया गया। इस बयान में कहा है कि आतंकवाद के मसले भी चर्चा हुई जिससे दोनों देश जूझ रहे हैं। ऐसे में भारत-अफगानिस्तान की सामरिक साझेदारी इस क्षेत्र की शांति और स्थिरता के लिए सकारात्मक कारक है। सिंह ने अफगानिस्तान में भारतीयों की सुरक्षा का मसला भी उठाया। साथ ही संक्रमण दौर में तालिबान के पुनःएकीकरण के मुद्दे पर अपनी चिंता प्रकट की।

सिंह ने अफगानिस्तान में परिवर्तन प्रक्रिया में पाकिस्तान की बढ़ती भागीदारी पर भी चिंता जताते हुए कहा कि पुनःएकीकरण की प्रक्रिया में कोई भी बाहरी हस्तक्षेप उसकी सफलता और लोक तांत्रिक, स्थिर, बहुलतावादी और खुशहाल अफगानिस्तान के भविष्य के लिए नुकसानदेह होगा। करजई और मनमोहन सिंह के बीच हुई बैठक के बाद दोनों नेताओं ने साथ ही दोपहर का भोज साथ किया।

अफगान राष्ट्रपति करजई ने भी दोनों देशों के बीच घनिष्ठ सहयोग की जरूरत पर बल दिया। उन्होने कहा कि यह दोनों देशों की जनता और इस क्षेत्र की स्थिरता के लिए हित में है। करजई ने सिंह को जल्द ही अफगानिस्तान आने का निमंत्रण भी दिया जिसे सिंह ने स्वीकार कर लिया। करजई ने राष्ट्रपति प्रतिभा पाटिल से भी मुलाकात की।

पर्यावरण के बहाने न लौटे लाइसेंस-परमिट राज : पीएम

भास्कर न्यूज | नई दिल्ली

विभिन्न विकास परियोजनाओं पर पर्यावरण मंत्रालय के अड़ंगों पर प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह ने कहा है कि पर्यावरण नुकसान रोकने के लिए कड़े नियम-कायदे जरूरी हैं, लेकिन यह भी ध्यान रखना चाहिए कि ये परमिट राज में न बदल जाएं। प्रधानमंत्री ने कहा कि यह सुनिश्चित करने की जरूरत है कि लाइसेंस-परममिट राज न लौटने पाए, जिससे हम नब्बे के दशक में आर्थिक सुधार के दौरान पीछा छुड़ा चुके हैं।

दिल्ली टिकाऊ विकास शिखर बैठक 2011 के उद्घाटन के दौरान मनमोहन सिंह ने कहा पर्यावरण की रक्षा के लिए यह जरूरी है कि मानदंडों का उल्लंघन करके प्रदूषण फैलाने वालों से कीमत वसूली जाए, ताकि वह भविष्य में पर्यावरण को ध्यान में रखें। केवल मानदंड बनाना काफी नहीं है, उन्हें लागू भी किया जाना चाहिए, जो अक्सर मुश्किल होता है। सिंह ने कहा कि टिकाऊ विकास के लिए आर्थिक मामलों पर फैसला करने वाले लोगों या संगठनों को इस बात के लिए प्रोत्साहित किया जाए कि वे पर्यावरण रक्षा का हमेशा ध्यान रखें।

सिंह ने जलवायु परिवर्तन के मसले पर कहा कि औद्योगिक देशों को उत्सर्जन कटौती के लक्ष्यों को पाने की पक्की प्रतिबद्धतता जतानी चाहिए, ताकि कोपेनहेगन जलवायु शिखर सम्मेलन में तय किए गए लक्ष्य हासिल किए जा सकें लेकिन औद्योगिक देशों की ओर से अभी तक कोई ठोस आश्वासन नहीं मिला है। भारत, चीन सहित अनेक विकासशील देशों ने प्रदूषण उत्सर्जन में कटौती के लिए स्वैच्छिक लक्ष्य और योजनाएं बनाई हैं।

नई दिल्ली में 11वें दिल्ली टिकाऊ विकास शिखर बैठक के दौरान अफगानिस्तान के राष्ट्रपति हामिद करजई के साथ प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह।

भारत अपना पूरा ग्रीन हाउस उत्सर्जन रोक भी दे तो कोई खास अंतर नहीं पड़ेगा क्योंकि यह विश्व के कुल उत्सर्जन का मात्र चार फीसदी ही है। इस शिखर सम्मेलन में अफगानिस्तान के राष्ट्रपति हामिद करजाई ने भी हिस्सा लिया।